मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 215, मुंबई, गुरुवार, 14 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

नवरात्री में प्रसाद के लिए
मलाई पेड़ा ₹680/- 600/-
काजू कतरी ₹980/- 880/-
खोपरापाक ₹620/- 520/-
बूंदी (शुद्ध घी) ₹400/- 300/-
शुद्ध घी की जलेबी ₹540/-
Valid 07-10-21 to 14-10-21
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए खोला खजाना

10 हजार करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने उन किसानों के लिये 10 हजार करोड़ रुपये की सहायता की घोषणा की है जिनकी फसल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बर्बाद हो गई थी। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और लोकनिर्माण विभाग के मंत्री अशोक चव्हाण ने यहां मुंबई में संयुक्त रूप से यह घोषणा की। पवार के पास वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। सरकार ने एक बयान में कहा, इस साल जून से अक्टूबर के बीच हुई अत्याधिक भारी बारिश के कारण 55 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसल को नुकसान पहुंचा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तबीयत बिगड़ी एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया है। एम्स कार्डियो टावर में डॉ. नितीश नायक के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम पूर्व प्रधानमंत्री का इलाज कर रही है। बताया जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बुखार की शिकायत के बाद अककटर दिल्ली में भर्ती कराया गया है। दो दिन पहले ही उन्हें बुखार आया था जिसके बाद उनको आज डॉक्टरों के सलाह के बाद एडमिट कराया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब मुंबई में चिकनगुनिया के केस बढ़े

दो सालों में नहीं था एक भी मरीज

मुंबई। मुंबई में कोरोना भले ही नियंत्रण में आ गया हो, लेकिन अन्य बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं। भी इन दिनों उफान पर है। बीएमसी मुताबिक, बीते दो वर्षों से चिकनगुनिया लेकिन इस वर्ष महज 10 महीनों में गए हैं। बता दें कि डेंगी और चिकनगुनिया चिंता का विषय बने हैं। पिछले साल से जुटी हुई है। बीएमसी के कड़े उपाय के मरीज नहीं बढ़ पाए थे। बीते वर्ष भर लेकिन इस वर्ष डेंगी के मामले में 4 गुना महज 10 महीने में डेंगी के 573 मरीज

डेंगी के साथ- साथ चिकनगुनिया स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के का एक भी मरीज नहीं मिला था, चिकनगुनिया के 30 मरीज पाए बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के लिए कोरोना की रोकथाम में बीएमसी योजना के चलते बीते वर्ष डेंगी में डेंगी के 129 मरीज मिले थे, इजाफा देखा गया है। इस वर्ष मिले हैं। यही हाल चिकनगुनिया का भी रहा है। चिकनगुनिया इतनी तेजी से पैर पसार रहा है कि महज 10 दिन में इसकी संख्या दोगुनी हो गई है। सितंबर में चिकनगुनिया के 7 मरीज थे, जबकि 10 अक्टूबर तक यह संख्या बढ़कर 15 हो गई। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, चिकनगुनिया और डेंगी बीमारी के एक ही स्त्रोत हैं। दोनों बीमारी एडीज इजिप्टी मच्छर से फैलती हैं। हालांकि इस मच्छर की पैदावार घर में ही रखी वस्तु से होती है। बीएमसी कीटनाशक विभाग के प्रमुख राजन नारिंगरेकर ने बताया कि फेंगशुई प्लांट, एसी मशीन आदि जगहों पर जमा होने वाले पानी में एडीज इजिप्टी मच्छरों के लार्वा पनपते हैं। उन्होंने बताया कि डेंगी के कुल मरीजों में से 80 फीसद मरीजों के घर में ही डेंगी मच्छरों के लार्वा मिले हैं।

स्टूडेंट का बेरहमी से कत्ल

पुणे में रौंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर में रौंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की को मंगलवार शाम बड़ी ही बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। सरेशाम हुई इस घटना ने पुणे शहर की पुलिस पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन पुणे जिले में हत्या और बलात्कार के मामले प्रकाश में आ रहे हैं।

एकतरफा प्यार में हुआ मर्डर

जानकारी के मुताबिक मृतक लड़की कबड्डी की खिलाडी भी रह चुकी है। मंगलवार की शाम जब लड़की अन्य दोस्तों के साथ कबड्डी खेल रही थी। तब उससे एकतरफा प्यार करने वाले आरोपी ने उसकी कोयते से गला रेतकर हत्या कर दी। पुणे के बिबवेवाड़ी स्थित यश लॉन्स परिसर में जब यह वारदात हुई तब वहां कई बच्चे कबड्डी की प्रैक्टिस कर रहे थे। जबकि कुछ लोग टहल रहे थे। हैरत, इस बात की है कि जब यह वारदात हुई तब वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को ऐसा करने से रोकने के बजाय वहां से निकलना बेहतर समझा। अगर उन लोगों ने आरोपी को रोका होता तो शायद लड़की की जान बच सकती थी। पुणे पुलिस के मुताबिक मृतक लड़की की उम्र 14 साल थी और आठवीं में पढ़ने के साथ-साथ वह एक कबड्डी प्लेयर भी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक घटना की शाम लड़की अन्य बच्चों के साथ यश लॉन्स में कबड्डी की प्रैक्टिस कर रही थी। तभी हमलावर युवक अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा। पहले उसने लड़की को अपने पास बुलाया और दोनों बातें करने लगे। इस बीच दोनों के बीच में विवाद शुरू हो गया। गुस्से में भरे युवक ने पीड़िता की सहेलियों को दूर भागकर कोयते से उसकी गर्दन पर वॉर कर दिया। आरोपी ने एक बाद एक ताबड़तोड़ वार किए। कोयते के वॉर से पीड़िता जमीन पर गिर गई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

लखीमपुर और राजनीति

लखीमपुर खीरी कांड में मृत चार किसानों और एक पत्रकार का अंतिम अरदास समारोह मौके की गरिमा के अनुकूल तो हुआ ही, इसका शांतिपूर्ण समापन स्थानीय प्रशासन के लिए भी किसी राहत से कम नहीं रहा। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुछ राजनेताओं के पहुंचने की खबर को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं, लेकिन आयोजकों और नेताओं, दोनों ने अपने-अपने तईं मर्यादित आचरण ही किया। किसी भी समाज में शांति-व्यवस्था के लिए यह बहुत जरूरी होता है कि सभी अपने-अपने दायरे का सम्मान करें। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने कई परिवारों को कभी न भूलने वाला जख्म दे दिया है, पर चिंता इस बात की थी कि इसके बाद पैदा हुए जनाक्रोश व राजनीतिक सरगर्मियों से समाज को कहीं और गहरे जख्म न मिल जाएं। लेकिन कल के कार्यक्रम से यही संदेश निकला कि शांतिपूर्ण तरीकों से भी इंसाफ की मांग की जा सकती है और उसके लिए दबाव बनाया जा सकता है।

निस्संदेह, इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य सरकार की भूमिका समझदारी भरी रही। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों और खीरी के आंदोलित किसानों से संवाद करने में देरी नहीं की। मृतकों के आश्रितों के लिए नगद मुआवजे व दूसरे राहत उपायों की घोषणा, नामजद एफआईआर, और फिर आरोपी मंत्री-पुत्र की गिरफ्तारी से लोगों में यही संदेश गया कि प्रशासन का रवैया टालमटोल वाला नहीं है। मुमकिन है, इसमें आसन्न विधानसभा चुनाव और इस दुखद घटना के आरोपियों के विरुद्ध व्यापक जनभावना ने बड़ी भूमिका निभाई हो, पर क्या यही आदर्श स्थिति भी नहीं है? कोई भी देश या समाज अपराध या अपराधियों से पूर्णतः मुक्त नहीं हो सकता, लेकिन उसके सभ्य होने की कसौटी यही है कि पीड़ित और उत्पीड़क के प्रति उसका आचरण कैसा रहा? क्या वह पीड़ित के साथ इंसाफ और उत्पीड़क को दंडित कर सका? लखीमपुर खीरी मामले पर सियासत अभी होगी। आगामी विधानसभा चुनावों तक न तो किसान संगठन, और न ही भाजपा विरोधी पार्टियां इसकी आंच मद्धम पड़ने देंगी। वैसे भी, जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें किसानों का काफी रसूख व असर है। उत्तर प्रदेश सरकार के लिए चुनौती दोहरी है। एक तो उसे राजनीतिक स्तर पर अपने विरोधियों का मुकाबला करना है और दूसरी, कानून-व्यवस्था को बनाए रखना है। अब तक लखीमपुर मामले में जैसी मुस्तैदी बरती गई है, यदि वह आगे भी बनी रही, तो सत्तारूढ़ पार्टी कहीं बेहतर बचाव करने में समर्थ होगी, साथ ही जल्द न्याय की उम्मीद लोगों को असंतुष्ट होने से भी रोकेगी। वैसे तो, यह किसी भी शासन-प्रशासन का स्वाभाविक गुण होना चाहिए, लेकिन सरकारों की दलगत पक्षधरता ने हमारे प्रशासनिक ढांचे को किस कदर नुकसान पहुंचाया है, यह बताने की जरूरत नहीं है। लखीमपुर खीरी कांड और उसके बाद के घटनाक्रम तमाम राज्य सरकारों के लिए एक सबक है कि त्वरित कार्रवाई कैसे समाज में शांति बहाल करती है। अगर हमारे शासक यह समझ लें कि बेहतर प्रशासन सर्वोत्तम राजनीति है, तो उन्हें अपने विरोधियों की बाड़ेबंदी की दरकार ही न हो। वैसे भी, लोकतंत्र में इस तरह की कोशिशें जनता के मन में संदेह को ही जन्म देती हैं।

घाटी में निशाने पर आम आदमी

लंबी अवधि के ट्रेंड देखें, तो हाल के वर्षों में इन हादसों में नागरिक मौतें कम हुई हैं। इस साल कश्मीर में हुई हिंसक घटनाओं में मरनेवालों की संख्या अभी तक 200 से नीचे ही है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा तीन सौ से थोड़ा अधिक था।

कश्मीर में हर दूसरे-तीसरे महीने हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं। हर एक घटना के बाद कुछ लोगों की बातों से लगता है कि जैसे पहले कभी ऐसी घटना हुई ही नहीं। कश्मीर में जिस तरह के हालात हैं, वहां हादसा होना नयी बात नहीं है। लंबी अवधि के ट्रेंड देखें, तो हाल के वर्षों में इन हादसों में नागरिक मौतें कम हुई हैं। इस साल कश्मीर में हुई हिंसक घटनाओं में मरनेवालों की संख्या अभी तक 200 से नीचे ही है।

जबकि, पिछले साल यह आंकड़ा तीन सौ से थोड़ा अधिक था। पहले के कश्मीर में एक साल में तीन से चार हजार तक मौतें हुई हैं। अभी एक तरह का जो ढिंढोरा पीटा जा रहा है, उससे अफरातफरी का माहौल पैदा हो रहा है। जबकि, जमीनी हालात से उसका कोई ताल्लुक नहीं है। इसमें सिर्फ दो गुटों का फायदा है, वे चाहे मुस्लिम चरमपंथी हों या फिर हिंदुत्ववादी चरमपंथी संगठन। बाकी किसी का कोई फायदा नहीं है।

घटनाओं की पृष्ठभूमि देखना जरूरी है। इस वक्त कश्मीरी पंडितों की संपत्ति के अधिकार की बात हो रही है। अगर उनकी संपत्ति पर किसी ने कब्जा कर लिया है, तो सरकार उस पर कार्रवाई की बात कह रही है। कश्मीर में इस वक्त जो हालात हैं, उसमें ऐसा कुछ कर पाना कठिन है। अभी के हालात में घाटी में वापस जाने में पंडितों में डर होना स्वाभाविक है।

घाटी में जो भी बचे-खुचे पंडित हैं, उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। ऐसे में हर कदम सोच कर उठाना होगा। हिंदू-मुसलमान मुद्दा अलग है, इससे ज्यादा अहम है हालात को सामान्य बनाना। हालात अगर सामान्य न हुए, तो जाहिर है कि इस्लामिक चरमपंथियों को इससे फायदा होगा। इससे वे दिखा पायेंगे कि वे मुसलमानों के रक्षक बने हुए हैं। बीच में आम आदमी पिसता है, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान।

घाटी के कट्टरपंथ में कुछ नया नहीं है। आइएसआइ भी नया नहीं बना है। हाल-फिलहाल में घाटी में कोई बड़ी हिंसक घटना नहीं हुई है। हालांकि, हर हादसे के बाद कहा जाता है कि चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही हैं। आंकड़े इसके ठीक विपरीत हैं। ऐसा नहीं है कि अचानक हिंसक घटनाओं में तेजी आ गयी है। घाटी में ज्यादा अल्पसंख्यक बचे नहीं हैं। अगर दो-तीन परिवार उठ कर चले आये, तो लोग कहने लगते हैं कि नब्बे का दशक फिर से आ गया।

ऐसा कहने वालों को नब्बे के दशक की जानकारी नहीं है। उस दौर की हिंसा में लाखों लोगों ने पलायन किया था। हर साल हजारों मारे जा रहे थे। किसी तथ्य या आंकड़े की वैध तुलना होनी चाहिए। किसी के कथन पर जाने की बजाय जमीनी हालात को जानना जरूरी है। हर हादसे के बाद हालात बिगड़ रहे हैं, बार-बार ऐसा बोलना सही नहीं है।

हर मुठभेड़ में आतंकवादी मारे जा रहे हैं। भिड़ंत में कभी-कभार सुरक्षाबल भी निशाना बनते हैं। पिछले साल अलग-अलग घटनाओं में 321 मौतें हुई थीं, इस बार अभी तक 193 मौतें हुई हैं। इस समय बिखराव और ध्रुवीकरण की राजनीति हर तरफ फैली हुई है। हिंदुत्ववादी पार्टियों के लिए हिंदू खतरे में हैं, दूसरी तरफ वे चीख रहे हैं कि मुसलमान खतरे में हैं।

हमारी जमीनें ले ली जायेंगी, हमें कश्मीर में बेघर कर दिया जायेगा। ध्रुवीकरण से आम आदमी पिस रहा है। जितने लोग भी वक्तव्य दे रहे हैं उनके पास आंकड़ों की जानकारी नहीं है। अगर किसी हादसे में 25 लोग मारे जाते हैं, तो वह बहुत बड़ा हादसा है, वह दुखद है, लेकिन उसके आगे-पीछे महीनों तक कुछ नहीं होता, तो हम ऐसा नहीं कह सकते कि हालात बिल्कुल हाथ से बाहर निकल गये हैं।

हर चीज के दो पहलू होते हैं। हमारे सुरक्षाबल के जवानों की मौत हुई, यह दुखद है, लेकिन वह किस हालात में हुई, कार्रवाई की शुरूआत किसने की, वह अधिक महत्वपूर्ण है। सुरक्षाबल के जवान अभियान पर निकले थे, उसमें कहीं चूक हुई, वे घिर गये और पांच जवान मारे गये। हादसे के कारणों की पड़ताल की जानी चाहिए। लेकिन, ऐसा नहीं है कि रोजाना फौज के लोग मारे जा रहे हैं। पूरे साल में जवानों की केवल 26 मौतें हुई हैं, जबकि 137 आतंकी मारे गये हैं।

आतंक-रोधी कार्रवाई के लिहाज से यह अनुपात अच्छा कहा जायेगा। अफगानिस्तान में तालिबान काबिज हो गया है, इससे मुसलमानों को बढ़ावा मिलेगा, यह कहना गलत है। हमारे आसपास उससे कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि इससे देश भर के अलग-अलग शहरों में विस्फोट होने लगे हैं। लोग कहते हैं कि खतरा बढ़ सकता है, होने को तो कुछ भी हो सकता है।

अन्य कट्टरपंथी भी देश में आग लगा सकते हैं। अगर दो-तीन हादसे होते हैं, जो उसका मतलब यह नहीं है कि पूरे देश में अराजकता बढ़ गयी है। हमारे विश्लेषण का आधार एक जैसा ही होता है, चाहे हिंदुस्तान हो या पाकिस्तान। अगर निहत्थों को मारना पाकिस्तान में खराब काम है, तो भारत में भी निहत्थों को मारना गलत है। घटना का विश्लेषण अलग होता है और ट्रेंड का विश्लेषण करना दूसरी बात है।

सुरक्षा विश्लेषण ट्रेंड के विश्लेषण पर आधारित होता है। किसी एक घटना के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जाता है। उसमें यह देखा जाता है कि कहां चूक हुई, किस तरह से घटना हुई, हमारी कहां कमी रह गयी या उनकी क्षमता बढ़ गयी है। दीर्घकालिक विश्लेषण में हमेशा घटनाओं की प्रवृत्ति को देखा जाता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

चंद्रकांत इंदरकर की पत्नी के परिजनों द्वारा किया गया हमला

आरोपी

संवाददाता/समद खान

मुंबा। दहिसर के मोकाशी पाडा में हमला करने का मामला सामने आया है। चंद्रकांत इंदरकर वर्ष 50 रहवासी दादाबाई निवास मराठी स्कूल के सामने मोकाशी पाडा दहिसर उनसे मिली जानकारी के अनुसार मेरी पत्नी के भाई दिपक दशरथ पाटील ओर उसकी पत्नी दामाद सुमीत सुरेश और अन्य एक रिश्तेदार ने अपने जीजा पर हमला कर दिया। यह विवाद होने का मुख्य कारण बताया जा रहा है। चंद्रकांत से उनकी पत्नी के भाई और अन्य रिश्तेदार द्वारा एक लाख रुपए लिए गए थे। कारोबार के लिए यह पैसे 3 साल से नहीं लौटा रहे थे। और उसी कारण उनकी बातचीत बंद थी। लेकिन चंद्रकांत ने पैसे की मांग एक हफ्ता पहले की तो पत्नी के भाई ने उनको बुलवाया और कहां। आप आजाओ हम आपका पैसा दे देते हैं। जैसी मैं मेरे जमाई के साथ में पैसा लेने के लिए गए इन चारों ने हमला कर दिया। जिसमें चंद्रकांत बुरी तरह से घायल हो गए। घायल अवस्था में इनको शील डायगर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। जहां पर पुलिस ने इनको कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल जाने के निर्देश दिए। पुलिस ने इनकी शिकायत पर 324 323 504 34 के विरुद्ध में मामला दर्ज किया है। परंतु पुलिस के दर्ज किए गए इस मामले पर चंद्रकांत और उसके परिवार वाले संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है पुलिस ने हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया है। जबकि मामला 326 का दर्ज होना चाहिए था। लेकिन पुलिस ने यह मामला दर्ज नहीं किया। इसकी शिकायत पुलिस आयुक्त से करेंगे मंत्रालय में करेंगे और कोर्ट में जाएंगे,और फिर भी हमें न्याय नहीं मिला तो, हम आत्महत्या कर लेंगे लेकिन जांच अधिकारी से बात करने पर उन्होंने आश्वासन दिया, कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जिसमें बताया है। नाक की हड्डी फ्रैक्चर हो गई है। उसी को मद्देनजर रखते हुए हम 326 का मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे।

चंद्रकांत इंदरकर

फिर मिली रेतीबंदर परिसर में अज्ञात व्यक्ति की लाश

संवाददाता/समद खान

मुंबा। पिछले कुछ दिनों से अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने का सिलसिला मुंब्रा परिसर में आए दिन देखने को मिल रहा है। यह बात समझ से परे है कि ऐसा क्यों हो रहा है। आज 13 अक्टूबर सुबह रेतीबंदर परिसर के खाड़ी में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पाई गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दमकल विभाग की सहायता से लाश को बाहर निकाला गया और पंचनामा कर कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गौरतलब बात यह है की 12 अक्टूबर को भी सोनाजी नगर के सामने चर्च के पास एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पाई गई। यह दोनों लाशों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। और उसी के आधार पर मामला दर्ज करेगी। जिस तरह से अज्ञात व्यक्तियों के लाश मुंब्रा में पाई जा रही है। उसको लेकर मुंब्रा में सनसनी का माहौल बना हुआ है मुंब्रा पुलिस गंभीरता से इन अज्ञात व्यक्तियों के शिनाख्त करने में लगी हुई है।

एनसीपी की युवती मर्जिया शानू पठान द्वारा आयोजित मुफ्त आधार कार्ड कैंप

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आधार कार्ड संबंधित सभी व्यक्तियों को यह सूचित किया जाता है कि अपने आधार कार्ड से संबंधित कोई भी प्रकरणों को कायदे से करने के लिए इस मुफ्त कैंप का लाभ उठाएं यह मुफ्त कैंप एनसीपी युवती मर्जिया पठान द्वारा आयोजित किया जा रहा है उनसे मिली जानकारी के अनुसार सबसे पहले युवती मर्जिया पठान ने डॉ जितेंद्र अवार्ड मैडम रितु अवार्ड सैयद अली भाई साहब और अपने पिताजी शानू पठान की दुआओं से शुरूआत की उन्होंने इस कैंप के बारे में जानकारी देते हुए बताया यह कैंप जो अमृत नगर दरगाह रोड के नाके पर आयोजित किया जा रहा है यह कैंप साथ दिन के लिए आयोजित किया गया है और इसका समय सुबह 11:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक होगा मुंब्रा शहर की जनता आकर जो भी आधार कार्ड में किसी भी प्रकार की गलती हुई है तो आप अपना आधार कार्ड अपडेट करवा सकते हैं और जिसके पास आधार कार्ड नहीं है वह अपना आधार कार्ड भी बनवा सकता है और उन्होंने और साथ ही लड़कियों के लिए बहुत ही अच्छी सुकन्या योजना लेकर आई है जो कि केंद्र सरकार द्वारा दी गई उन्होंने इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मात्र 250 रुपए महीने देकर आपका खाता खोला जाएगा और आपको प्रति महीना 250 भरना है यह योजना का लाभ 10 वर्ष के अंदर की बच्चियां ही उठा सकती हैं और यह योजना सिर्फ 500 बच्चियों को ही दी जाएगी और सबसे पहला इंस्टॉलमेंट ढाई सौ रुपए का सुल्ताना वेलफेयर सोसाइटी कि तरफ से दिया जाएगा और इस योजना जमा की गई रकम केंद्र सरकार द्वारा दिया गया 7.6 ब्याज के साथ में आपको आधी रकम 18 साल में दी जाएगी पूरे 21 वर्ष होने के बाद आपको पूरी रकम दी जाएगी और इस योजना में सबसे बड़ी बात यह है पैसा खाली लड़कियां ही निकाल सकती हैं और कोई नह बहुत अच्छी योजना है लड़कियों की उज्जवल भविष्य के लिए जल्द से जल्द सुकन्या योजना का लाभ उठाएं।

मर्जिया शानू पठान

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ पीड़ित किसानों...

किसानों को कुछ राहत पहुंचाने के लिये प्रदेश सरकार ने प्रभावित किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि भारी बारिश के कारण जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि किसानों की जोत का आकार चाहे जो हो उन्हें दो हेक्टेयर जमीन पर फसल के नुकसान के लिये मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि प्रदेश सरकार ने सहायता के वितरण के संदर्भ में एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा राहत कोष) के निदेर्शों के लिए और इंतजार नहीं करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि गैर-सिंचित भूमि पर फसल के नुकसान के लिये किसान को 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा सिंचित भूमि पर फसल के नुकसान के लिये 15 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाएगा।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तबीयत बिगड़ी एम्स में भर्ती...

डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। इसी साल अप्रैल में मनमोहन सिंह कोरोना से संक्रमित भी हुए थे और एम्स में कुछ दिनों तक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी मिली थी। पूर्व प्रधानमंत्री ने चार मार्च और तीन अप्रैल को कोरोना के टीकों की दो खुराक ली थी। पिछले साल एक नई दवा के कारण रिएक्शन और बुखार होने के बाद भी मनमोहन सिंह को एम्स में भर्ती कराया गया था। कई दिनों के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली थी।मनमोहन सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। वह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। एम्स में 2009 में उनकी बायपास सर्जरी हुई थी। उनकी उम्र 88 साल है और उन्हें शुगर की भी बीमारी है।

स्टूडेंट का बेरहमी से कत्ल...

मृतक लड़की से एकतरफा प्यार करने वाला आरोपी उससे इस कदर नाराज था कि वह उसकी गर्दन पर लगातार वॉर कर रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ऐसा लग रहा था कि जैसे वो सिर को धड़ से अलग करना चाहता हो। आरोपी युवक, मृतक लड़की का रिश्तेदार बताया जा रहा है। लड़की की हत्या के बाद आरोपी और उसके दोस्त हथियार वहीं छोड़कर भाग गए थे। पुलिस को घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल हुआ कोयटा और पिस्तौल मिली है। हालाँकि पिस्तौल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

सीसीएफ द्वारा गठित जांच दल ने नेपानगर पहुंचकर रेंजर मयंक पांडे और अन्य कर्मचारियों के लिए बयान जल्द होगा बड़ा खुलासा

बुरहानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. आनंद दीक्षित की उपस्थिति में हुई जांच रेंजर के ऑडियो और डिप्टी के वीडियो साक्ष्य के आधार पर की गई। जांच नेपानगर वन परिक्षेत्र के गुलरपानी बिट कक्ष क्रमांक 223 में हुए बेजुबान वन्य प्राणी शिकार मामले का भोपाल तक पहुंचते ही वन विभाग महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। आनन-फानन में डीएफओ प्रदीप मिश्र ने सीसीएफ को लिखा पत्र - खंडवा सीसीएफ महेंद्र सिंह सिसोदिया ने पत्र जारी कर नेपानगर रेंजर मयंक पांडे और डिप्टी रेंजर हमीद खान को नेपानगर रेंज से हटाया ताकि जांच को प्रभावित ना कर सके तो वही चार सदस्यों की टीम बनाकर वन्य प्राणी शिकार मामले की जांच हुई प्रारंभ जिसके चलते 12 अक्टूबर को जांच टीम के सभी सदस्य नेपानगर उप वन मंडल कार्यालय पहुंचे जांच में 12:00 बजे से लेकर देर रात तक कथन और पूछताछ का सिलसिला जारी रहा। जांच टीम नेपानगर एसडीओ कार्यालय के भीतर बैठी थी तो वहीं रेंजर मयंक पांडे अपने बंगले पर बैठकर जांच टीम द्वारा जिन अधिकारी कर्मचारियों को नोटिस देकर बयान देने बुलाया था। उन सभी कर्मचारियों को बंगले पर समझाइश देते नजर आए - अधिकारियों के सामने क्या बोलना है और क्या नहीं रेंजर मयंक पांडे को बुरहानपुर अटैच किया जाना एक दिखावा मात्र नजर आ रहा था। जबकि रेंजर मयंक पांडे अपने बंगले पर बैठकर पूरी कार्यवाही में बाहर से हस्तक्षेप करते नजर आए सारे कर्मचारियों को क्या बताना है क्या नहीं बताना है। यह भी समझाते दिखाई दिए बहरहाल यह देखने वाली बात होगी कि सीसीएफ स्तर पर जांच टीम गठित कर जॉच तो की जा रही है। किंतु वह कितनी कारगर साबित होती है। क्या वन्य प्राणी शिकार जैसे संवेदनशील मामले में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वन्य प्राणी सुरक्षा अधिनियम की कार्यवाही ना करते हुए शिकारियों से सांठगांठ करने वाले अधिकारियों पर गाज गिरती है। या फिर जांच के नाम पर खानापूर्ति कर दोषियों को अभय दान दिया जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा वन्यप्राणी शिकार मामले में वरिष्ठ स्तर पर गंभीरता दिखाते हुए उचित कार्रवाई की गई। तो जिले में मिसाल बनेगी कार्रवाई यह बुरहानपुर जिले का पहला ऐसा मामला है। जहां वन विभाग की बड़ी लापरवाही पत्रकारों द्वारा उजागर की गई है। वन विभाग के नियम कानूनों की जानकारी अमूमन आम आदमी को नहीं होती ना ही आम आदमी जंगल के भीतर जाता है जिसका फायदा उठाकर रेंजर और वन विभाग के कुछ भ्रष्ट कर्मचारी अपनी मनमानी करते हैं। कहीं - जंगल कटवाते हैं तो कहीं वन्य प्राणियों के शिकार करवाते हैं लेकिन यह पहला अवसर है जब वन विभाग द्वारा बड़े स्तर पर इस तरह की कार्रवाई होती नजर आ रही है। इसके बाद पूरे बुरहानपुर वन मंडल क्षेत्र की 8 रेंज के अधिकारी कर्मचारी कुछ भी गलत करने से पहले इस कार्यवाही के बारे में एक बार जरूर ध्यान करेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

दिल्ली में छठ पर सियासत क्यों?

केजरीवाल सरकार ने केंद्र के पाले में डाली गेंद तो भड़की बीजेपी

नई दिल्ली। दिल्ली में इस बार छठ पूजा को लेकर सियासी जंग छिड़ी हुई है। दिल्ली सरकार ने कोरोना महामारी के मद्देनजर सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा की मनाही की है जिसका बीजेपी विरोध कर रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाहर बीजेपी ने प्रदर्शन भी किया। इस दौरान सांसद मनोज तिवारी को हल्की चोटें भी आईं। दबाव बढ़ता देख दिल्ली सरकार ने भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को खत लिखकर केंद्र के पाले में गेंद डाल दी है। जवाब में मनोज तिवारी ने केजरीवाल को खत लिख उन्हें हिंदू भावनाओं के सम्मान की नसीहत दी है। दरअसल, दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (DDMA) ने 30 सितंबर को दिल्ली में कोरोना से जुड़ी नई गाइडलाइंस जारी की। गाइडलाइंस के मुताबिक दिल्ली में मंदिरों, तालाबों, नदियों या जलाशयों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा नहीं मन सकेगी। पिछले साल भी कोरोना की वजह से दिल्ली में सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा नहीं हुई थी। उसी गाइडलाइंस में दशहरा और रामलीला को शर्तों के साथ इजाजत दी गई थी। एक त्योहार को इजाजत और एक त्योहार पर बैन ऐसी चीज है जो शायद ही पूर्वांचलियों को रास आए। यही वजह है कि बीजेपी ने इसे मुद्दा बनाने में देरी नहीं की और केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बीजेपी ने केजरीवाल सरकार को छठ पूजा पर लगी रोक हटाने की चेतावनी देते हुए आंदोलन का ऐलान कर दिया। मंगलवार को पार्टी ने केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन भी किया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने ऐलान किया कि पार्टी भव्य छठ पूजा के लिए इंतजाम करेगी और पार्टी शासित तीनों नगर निगम इसकी व्यवस्था करेंगे। दिल्ली में बीजेपी के पूर्वांचली चेहरे मनोज तिवारी तो पूर्वांचलियों की राय लेने के नाम पर 'रथ यात्रा' भी शुरू कर दी।

दिल्ली ने केंद्र के पाले में डाली गेंद - शुरूआत में दिल्ली सरकार अपने रुख पर अड़ी रही। छठ पूजा पर रोक हटाने की विपक्ष की मांग को सीएम केजरीवाल ने गंदी राजनीति कहकर खारिज कर दिया था। लेकिन मुद्दा गरमाता देख उसकी चिंता बढ़ गई। राजनीतिक नुकसान से बचने के लिए दिल्ली सरकार ने चालाकी दिखाते हुए गेंद केंद्र के पाले में डाल दी। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को खत लिखकर दिल्ली में छठ पूजा को लेकर गाइडलाइंस जारी करने की मांग की है।

जवाब में मनोज तिवारी का केजरीवाल को खत

दिल्ली सरकार की तरफ से केंद्र के पाले में गेंद डालने से भड़के बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तल्ख लहजे में खत लिखा है। तिवारी ने आरोप लगाया कि छठ पूजा को लेकर दिल्ली सरकार गंभीर नहीं है वरना सितंबर में बैन लगाने के ऐलान से पहले ही केंद्र से गाइडलाइंस की मांग करती। केजरीवाल को लिखे खत में तिवारी ने कहा, '...मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि आप लगातार हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम करते रहे हैं और दिल्ली में आप कट्टरपंथी मुस्लिम तुष्टीकरण के दोषी हैं... एक मुख्यमंत्री के तौर पर इस प्रकार से हिंदू विरोधी रुख अख्तियार करना आपको शोभा नहीं देता है। आपके कारण इस पद की गरिमा भी धूमिल हो रही है।'

दिल्ली में क्यों अहम हैं पूर्वांचली वोटर

दिल्ली में छठ पूजा पर राजनीति की वजह पूर्वांचलियों की अच्छी-खासी तादाद है। दरअसल, पूर्वी यूपी और बिहार से आने वाले लोगों को दिल्ली में पूर्वांचली ही कहा जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में इनकी तादाद करीब 25 से 30 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोई भी पार्टी इनकी नाराजगी मोल लेने का जोखिम नहीं उठा सकती।

लोदी गार्डन में मनचलों की हर हरकत पर रहेगी 'नजर'

चप्पे-चप्पे पर लगेंगे CCTV कैमरे, पुलिस पट्रोलिंग बढ़ेगी

नई दिल्ली। लोदी गार्डन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने और हर कोने में निगरानी बढ़ाने के लिए एनडीएमसी जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगवाने जा रहा है। इसके अलावा गार्डन की बाउंड्री वॉल को भी दुरुस्त किया जा रहा है। लोदी गार्डन के आसपास पुलिस की पट्रोलिंग बढ़ाई जा रही है, ताकि यहां आने वाले लोग सुरक्षित महसूस कर सकें। ये सभी काम काफी समय से पेंडिंग थे और कछुआ चाल से आगे बढ़ रहे थे। हाल ही में पार्क में एक युवती के साथ कथित रूप से हुई छेड़खानी की घटना के बाद अब इन सभी कामों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी इस संबंध में एनडीएमसी के चेयरमैन को जरूरी निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, एक-डेढ़ महीने पहले बारिश के दौरान पेड़ गिरने से पार्क की बाउंड्री वॉल का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। मंत्री के हस्तक्षेप के बाद रातोंरात इस वॉल को ठीक करने का काम किया जा रहा है। कई जगहों पर वॉल की ऊंचाई बहुत कम है उसे बढ़ाया रहा है। लोदी गार्डन में आने-जाने के लिए कुल 12 एंट्री गेट बने हुए हैं, जिनमें से करीब 10 गेटों से लोग नियमित रूप से पार्क के अंदर आ-जा सकते हैं। बाकी के कुछ गेट हर समय नहीं खोले जाते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर उन्हें खोला जाता है। किसी भी गेट पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। पार्क के अंदर भी कैमरा नहीं लगा हुआ है।

दशहरा और दिवाली को देखते हुए तेलों के दामों को काबू करने के लिए केंद्र सरकार ने आयात शुल्क में की कटौती

आगे त्योहारों का मौसम को देखते हुए एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उबाल के चलते आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए आज वाणिज्य मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर खाद्य तेलों के आयात शुल्क को घटाया है यह बताया अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैट के महानगर अध्यक्ष श्री शंकर ठक्कर ने। जारी किए परिपत्र के मुताबिक क्रूड पाम तेल पर ड्यूटी घटाकर 8.25% (पहले 24.75%), RBD पामोलीन पर 19.25 (पहले 35.75), RBD पाम तेल पर 19.25 (पहले 35.75), क्रूड सोया तेल पर 5.5 (पहले 24.75), रिफाइंड सोया तेल पर 19.5 (पहले 35.75), क्रूड सूरजमुखी तेल पर 5.5 (पहले 24.75) और रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर 19.25 (पहले 35.75) की गयी। क्रूड पाम तेल पर आयात शुल्क 16.5%, RBD पामोलीन का 16.5, RBD पाम तेल का 16.5, क्रूड सूरजमुखी तेल का 19.5 रिफाइंड सोया तेल का 16.5, क्रूड सूरजमुखी तेल का 19.25, रिफाइंड सूरजमुखी तेल का 16.5% तक घटा। ड्यूटी घटाए जाने से CPO के भाव में 14,114.27, RBD ओलिं के 14526.45, सोया तेल के 19351.95 रुपए प्रति टन घटे है। इस खबर से तेल बाजारों में दिवाली के बाद भयंकर मंदा आ सकता है, पहले से ही सरकार ने स्टॉक लिमिट लगा रखी है, साथ ही सितम्बर में बड़ी मात्रा में तेलों का आयात हुआ है। ठक्कर ने आगे कहा सरकार का ये कदम देरी से लिया गया है यह कदम पहले ही उठाने की आवश्यकता थी क्योंकि त्यौहार दम नजदीक आने पर आयात शुल्क में कटौती का ज्यादा लाभ नहीं होगा एवं विदेशी निर्यातक देशों द्वारा निर्यात को बढ़ाने की भी संभावनाएं होती है इसलिए ज्यादा फायदा लोगों को नहीं मिल सकता है सरकार ने इसकी वजह एसजीएसटी जो कि हाल में तिलहन और तेलों पर 5% है सबसे पहले उसको हटाने की आवश्यकता थी इसके अलावा सरकार को सार्वजनिक प्रणाली के माध्यम से कम दामों पर लोगों को खाद्य तेल उपलब्ध कराना चाहिए जिससे दामों पर काबू पाया जा सकता है। संगठन के महामंत्री श्री तरुण जैन ने कहा हमारी लगातार मांग है कि सरकार को तुरंत रूप से नसीडियस एवं एमसीएक्स पर हो रहे खेले को तुरंत बंद करवाना चाहिए जिससे बड़े सटोरियों द्वारा बाजारों को मनचाहे तरीके से मोड न सके।

क्रूज ड्रग्स पार्टी केस

आर्यन की जमानत पर सेशन कोर्ट में सुनवाई जारी NCB ने कहा- खान प्रभावशाली व्यक्ति सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं

मुंबई। शाहरुख खान के बेटे आर्यन की जमानत अर्जी पर सेशन कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इससे पहले NCB ने स्पेशल NDPS कोर्ट में अपना जवाब दायर किया। इसमें NCB ने आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों में एक का रोल दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। आरोपी (आर्यन खान) के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई, इसके बावजूद वह इस पूरी साजिश में शामिल है। NCB ने अपने जवाब में आर्यन को 'प्रभावशाली व्यक्ति' कहा। NCB की ओर से कहा गया कि वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। एनसीबी ने कहा कि ये साफ है कि आरोपी अचित कुमार और शिवराज हरिजन ने आरोपी आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट को चरस की आपूर्ति की। आर्यन और अरबाज एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। NCB ने आगे कहा कि हमारे रिकॉर्ड में ऐसी सामग्री है, जिससे पता चलता है कि आर्यन खान विदेश में कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में थे, जो ड्रग्स की अवैध खरीद के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा प्रतीत होते हैं। जांच अभी जारी है।

सलमान को बरी कराने वाले वकील लड़ रहे आर्यन का केस

क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में आर्यन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें आर्थर रोड जेल में रखा गया है। शाहरुख ने आर्यन के लिए मुंबई के नामी वकील अमित देसाई को हायर किया है। वे सतीश मानशिंदे के साथ मिलकर इस केस की पैरवी करेंगे। बता दें कि देसाई ने साल 2002 में सलमान खान को हिट एंड रन केस में बरी कराया था। इससे पहले आर्यन की जमानत अर्जी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट यानी किला कोर्ट से खारिज हो चुकी है। क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में NCB ने आर्यन समेत 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इनमें दो विदेशी नागरकि भी शामिल हैं।

आर्यन के रोल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : NCB

आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए NCB ने कहा कि आरोपियों में एक का रोल दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। आरोपी के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई, इसके बावजूद वह इस पूरी साजिश में शामिल है। खान पर प्रतिबंधित सामग्री खरीदने का आरोप है। अरबाज के पास से प्रतिबंधित सामग्री पाई गई थी। हम विदेशों में लेनदेन से संबंधित मामले की जांच कर रहे हैं। आर्यन खान की ओर से अदालत में दायर याचिका में कहा गया है, 'वॉट्सऐप चैट की सत्यता या सटीकता स्थापित किए बिना, अभियोजन पक्ष वर्तमान कार्यवाही में उसे (आर्यन को) उलझाने के लिए पूरी तरह से कुछ कथित वॉट्सऐप चैट पर भरोसा कर रहा है।' याचिका में आगे कहा गया है, इसके अलावा, ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे यह पता चलता है कि इन कथित चैट का उस (क्रूज ड्रग केस) मामले से कोई संबंध है, जिसकी वर्तमान में जांच की जा रही है। आर्यन के वकील ने आगे कहा कि इसके बाद विक्रांत चोकर कोकीन के साथ पकड़े गए। चोकर से कथति तौर पर चरस जैसा पदार्थ भी बरामद किया गया। इश्मीत सिंह के पास से उन्हें गुलाबी रंग की 15 गोलियां मिलीं- एक्स्टसी। फिर उन्होंने एक और छापा मारा जहां बिक्री और खरीद के लिए कथित तौर पर पैसा रखा था। दो और लोग, जिनका विवरण संदिग्धों से मेल खाता था को एनसीबी ने टर्मिनल पर रोका। वो थे आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट। आर्यन के वकील अमित देसाई ने कोर्ट से कहा कि पंचनामा के मुताबिक, आईओ ने पूछा कि क्या उनके पास ड्रग्स है। उन्होंने स्वीकार किया कि चरस है।

मुंबई में भीषण अग्निकांड

एक रिहायशी सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी 20 बाइक्स एक साथ जलकर हुई खाक, साजिश या दुर्घटना की हो रही जांच

मुंबई। मुंबई के कुर्ला स्थित नेहरू नगर में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। यहां पार्किंग में खड़ी तकरीबन 20 मोटरसाइकिल एक साथ जलकर खाक हो गईं हैं। एक साथ इतनी बाइक्स के जलने के बाद पुलिस ने आसपास लगे उउळश फुटेज के सहारे मामले में जांच शुरू कर दी है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे बुझाने के लिए दमकल की 16 गाड़ियों को काम पर लगाया गया। ये गाड़ियां नेहरू नगर रिहायशी धम्म सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी थी। जानकारी के अनुसार यह आग आज सुबह 5 बजे लगी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश की। लेकिन आग इतनी भीषण थी कि जब तक इस पर काबू पाया गया, सभी मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गईं थी।

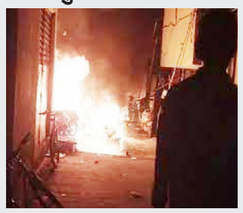

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर टेम्पों में आग

देर रात ही मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर चल रहे आयशर टेंपो में अचानक आग लग गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हुई है। यह टेम्पो मुंबई से पुणे की ओर जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, आग लगने के बाद आगे के केबिन से ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। शव को टेंपो से निकालकर खालापुर तालुका के चौक ग्रामीण अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टेम्पो में लगी आग को बुझाने के लिए खोपोली फायर ब्रिगेड, सिडको फायर ब्रिगेड, रिलायंस फायर ब्रिगेड टीम को मौके पर बुलाया गया था। इस दुर्घटना के बाद तकरीबन 2 घंटे तक मुंबई से पुणे के लिए जाने वाला मार्ग बंद रहा।

15 साल से लक्ष्मी नगर में झाड़-फूंक कर रहा था गिरफ्तार संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी

नई दिल्ली। दिल्ली में त्योहारी सीजन के दौरान आतंकी हमले के खुफिया अलर्ट के बीच स्पेशल सेल ने लक्ष्मी नगर से एक कथित पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल का दावा है कि इसकी निशानदेही पर एके-47, हैंड ग्रेनेड, मैगजीन और अन्य विस्फोटक बरामद किया गया है। सेल के मुताबिक, पकड़े गए आतंकी का नाम 40 वर्षीय मोहम्मद अशरफ है। यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नरोवल जिले का रहने वाला है। इसके पास से फर्जी पासपोर्ट और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। इसने पहचान छिपाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में रहते हुए खुद को 'पीर मौलाना' घोषित कर लिया था और झाड़-फूंक करता था। मोहम्मद अशरफ के खिलाफ यूएपीए, एक्सप्लोजिव एक्ट और आर्म्स एक्ट में मामले दर्ज किए हैं। मंगलवार को उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया जहां से अदालत ने उसे 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया। अब स्पेशल सेल इसके नेटवर्क में शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। डीसीपी प्रमोद कुशवाहा के मुताबिक, इस बारे में इनपुट मिले थे। काफी समय से स्पेशल सेल की टीम नजर बनाए हुए थी। इस बीच सोमवार देर रात रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर इलाके से इसे पकड़ा गया। आरोपी के हैंड बैग से फर्जी आईडी और दो मोबाइल मिले। इसकी गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई है, जब पिछले एक महीने से लगातार आतंकी हमले के इनपुट मिल रहे थे। इस बीच, शनिवार को पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने फेस्टिवल सीजन को लेकर मिल रहे इनपुट पर उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई। इसमें हाई अलर्ट किया गया था कि आतंकी पेट्रोल पंप और पेट्रोल टैंकरों को निशाना बनाकर हमले कर सकते हैं। इसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। इसी कड़ी में आरोपी अशरफ गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी के मुताबिक, इसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने भर्ती किया, वहीं ट्रेनिंग देकर बांग्लादेश के रास्ते सिलीगुड़ी बॉर्डर से घुसपैठ कराई गई थी। यह करीब 10-15 साल से भारत में पहचान बदलकर फर्जी दस्तावेज के सहारे भारतीय नागरिक बनकर रह रहा था। छानबीन के दौरान पुलिस को इसके पास से फर्जी आईडी मिली हैं, जिसमें अली अहमद नूरी लिखा मिला। यह पहचान पत्र शास्त्री नगर के पते पर था। इसकी निशानदेही पर एक एके-47, मैगजीन और 60 गोलियां, एक हैंड ग्रेनेड, दो पिस्टल और अन्य विस्फोटक यमुना घाट के कालिंदी कुंज के पास बालू के नीचे से बरामद किया गया। यह स्लीपर सेल की तरह रह रहा था। तुर्कमान गेट से उसका एक फर्जी पासपोर्ट बरामद हुआ है। डीसीपी के मुताबिक, मो. अशरफ आईएसआई के इशारे पर काम कर रहा था। वह भारतीय पासपोर्ट पर सऊदी अरब और थाईलैंड गया है। इसने गाजियाबाद के वैशाली की रहने वाली भारतीय महिला से शादी भी की थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उसे छोड़ दिया था। इसको एक पाकिस्तानी, जिसका कोड नेम नासिर था, उसने टास्क दिया था। हथियार भी उसी की टिप पर मुहैया कराए गए थे।

NCB के समर्थन में खड़ी दो महिलाओं को पुलिस ने किया डिटेन!

मुंबई। मुंबई शहर की दो महिलाएं आज नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो दफ्तर के बाहर हाथ मे तख्ती लेकर खड़ी नजर आईं। इन महिलाओं ने यह तख्ती नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के सपोर्ट में हाथ में ली हुई थी। इस तख्ती में लिखा हुआ था कि समीर वानखेड़े अच्छा काम कर रहे हैं। देश को ड्रग्स मुक्त बनाना चाहिए। हालांकि एनसीबी ऑफिस के बाहर इस तरह से खड़े होना इन महिलाओं को भारी पड़ गया। और जानकारी होने के बाद मुंबई पुलिस की टीम इन्हें अपने साथ पुलिस स्टेशन ले गई है। आपको बता दें कि हाल में एनसीपी नेता नवाब मलिक ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और समीर वानखेड़े पर गंभीर आरोप लगाए थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई प्रयोगशाला की रिपोर्ट

मई में एलसीबी द्वारा जब्त किया गया रेमडेसिविर नकली !

बुलडाणा। कोरोना काल में मई माह में शहर के दो अस्पतालों के तीन कर्मचारीयों को रेमडेसिविर इंजेक्शन कि कालाबाजारी कि गई थी।पुलिस ने मामले में 16 इंजेक्शन जब्त किए थे। उसके नमूने मई में मुंबई की एक प्रयोगशाला में भेजे गए थे।नमूने की रिपोर्ट 11 अक्टूबर को प्राप्त हुई है जिस मे अप्रमाणित होने का निष्कर्ष निकला है। ईस लिए संबंधितों पर क्या कार्रवाई की जाती है इस ओर सबका ध्यान खींचा है।कोरोना काल में सभी ने उस भयानक स्थिति का अनुभव किया।उस समय शहर सहित जिले के 7 अस्पतालों में कुछ डॉक्टरों ने कोविड मरीजों से पांच लाख रुपये लूटे, जबकि बुलडाणा के डॉक्टर

लद्धड, डॉक्टर मेहत्रे अस्पताल के 3 कर्मचारियों ने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी की थी।रेमडेसिविर में सलाईन का पानी बेचने वाले आरोपीयों को गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। ऑडिट में पहले ही खुलासा हो चुका है कि जिले के डॉक्टर लध्दड, डॉक्टर मेहेत्रे हॉस्पिटलसह खरात हॉस्पिटल, आशीर्वाद हॉस्पिटल, ऑक्सिजन कोविड सेंटर, मातोश्री हॉस्पिटल से लाखों रुपये की लूट हुई।मामले में जान से खेल रहे राम गडख, लक्ष्मण तरमाले और संजय इंगले को तीन बार पीसीआर मिलने के बाद रिहा कर दिया गया।संबंधित डॉक्टर दोषी है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। एफडीए को एक रिपोर्ट मिली है कि 11 अक्टूबर, 2021 को जब्त किया गया रेमेडिसविर इस मामले में अप्रमाणित था, जबकि शहर की पुलिस और एफडीए के सहायक आयुक्त अशोक बर्दे जांच कर रहे थे। रेमडेसिविर कालाबाजारी मामले में जिला वासियों ने दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जहरीली दवा खाकर कर विवाहिता ने की खुदकुशी

चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

बुलडाणा। धामनगाव बढे निवासी 20 वर्षीय विवाहीता ने सोमवार 11 अक्टूबर की दोपहर 1।30 बजे के दौरान घर मे रखी जहरीली दवा गटक कर खुदकुशी करने की घटना उजागर हुई। इस मामले में धामनगांव पुलिस ने ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ विविध धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, धामनगांव बढ़े पुलिस स्टेशन में विवाहिता सरला उर्फ दीपाली नितिन कुसुंबे (निवासी धामनगांव बढ़े) के मायके से सुनिता लालचंद मोरे (45, निवासी सोयगांव तहसील सोयगांव जिला औरंगाबाद) ने दी शिकायत में कहा कि- नितिन नारायण कुसुंबे, लिलाबाई नारायण कुसुंबे, प्रल्हाद नारायण कुसुंबे व मयुर नारायण कुसुंबे ने उपरोक्त लोगो ने संगणमत कर विवाहिता से खाना बनाने व घर काम न आने की बात को लेकर बार-बार विवाद एवं गालीगलौज कर खुदकुशी के लिए उकसाया। इसी बात से तंग आकर विवाहिता सरला उर्फ दीपाली नितिन कुसुंबे ने जहरीली दवा गटक कर खुदकुशी करली। ऐसा धामनगांव बढ़े पुलिस में दर्ज की गई शिकायत में कहा गया है। इस मामले में धामनगांव बढ़े पुलिस ने उक्त शिकायत पर उपरोक्त ससुराल पक्ष के चारों लोगो के खिलाफ विविध धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। आगे की जांच थानेदार ममताबादे के मार्गदर्शन में पीएसआई आशीष गंद्रे कर रहे हैं।

ग्राम गुगली में नेत्र जांच शिविर का कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

धामनगाव बढ़े । धामनगाव बढ़े थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गुगली में स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में नवरात्र उत्सव के अवसर पर संभाजी ब्रिगेड व शिवशक्ती ग्रुप गुगली द्वारा राजमाता जिजाऊ चॅरिटेबल ट्रस्ट संचलित दृष्टी नेत्रालय नांदुरा के संयुक्त रूप से नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन मंगलवार 12 अक्टूबर को किया गया था।

इस कार्यक्रम का उदघाटन पंचायत समिती उपसभापती रावसाहेब देशमुख के हाथों किया गया। तथा प्रमुख उपस्थिति में डॉ. शरद पाटील नेत्रचिकित्सक, अतुल पाटील, संभाजी ब्रिगेड तहसील अध्यक्ष गणेश शिदे पाटील, की उपस्थिति थी। इस दौरान निशुल्क नेत्र जांच व मोतिबिंद शाल्य चिकित्सा की शुरूआत की गई। इस शिविर का ग्रामवासियों एवं परिसर के इलाकों के लोगो सहित सैकड़ो लोगो ने लाभ लिया। जिसके चलते इस शिविर में अच्छा प्रतिसाद दिखाई दिया।शिविर का आयोजन मोताला संभाजी ब्रिगेड संगठन द्वारा किया गया था। इस समय तहसील उपाध्यक्ष भागवत देशमुख, संकेत पिसे, दीपक पाटील शुभम

पाटील, रमेश गारवे, विशाल पाटील, विकास किन्होलकर, सोपान पाटील, रामेश्वर पिसे, श्रीकांत पाटील, मुन्ना पाटील, अक्षय पाटील, सोपान पाटील, योगेश पाटील, आकाश पाटील, तुषार काकडे, विजय देशमुख, योगेश काकडे सहित संगठन के कार्यकताओं ने मेहनत की।

चमन सैफी ने तीस विधानसभा क्षेत्र बिलारी से पेश की दावेदारी

संवाददाता/अरमान उलहक

लखनऊ। सम्भल कांग्रेस के युवा नेता मुरादाबाद मण्डल कांग्रेस कमेटी विचार विभाग के मण्डल सचिव चमन सैफी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी कार्यालय में बुधवार को जन व्यथा निवारण समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय शर्मा जी के समक्ष यूपी के जनपद मुरादाबाद की तीस विधानसभा क्षेत्र बिलारी से अपनी दावेदारी पेश की है इसके उपरांत चमन सैफी ने 30 विधानसभा क्षेत्र बिलारी की वर्तमान परिस्थितियों से श्री संजय शर्मा जी को अवगत कराया जिस पर संजय शर्मा ने उन्हे अपने विधानसभा क्षेत्र में मजबूती से कार्य करने का निर्देश दिया । एंव उन्होनें चमन सैफी से सम्भल लोकसभा क्षेत्र के संदर्भ में जानकारी भी प्राप्त की है । और इसी बातचीत के दौरान लखनऊ साथ में वाराणसी की समाज सेविका युवा नेत्री रोशनी कुशल जायसवाल से मुलाकात करते हुए चमन सैफी ने तीस विधानसभा बिलारी की अगामी चुनाव जनसभाओं के लिए निमंत्रण दे दिया जिससे कांग्रेस को बिलारी में और मजबूत किया जा सके बिलारी प्रस्थान होने के लिए उन्होने कार्यक्रम को स्वीकार कर लिया है चमन सैफी कॉंग्रेस पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता हैं जो काफी वक़्त से बिलारी विधानसभा सीट से काफी मेहनत कर रहे हैं देखना दिलचस्प होगा पार्टी सक्रिय कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाती है या नही।

मानव सेवा समिति के रक्तदानी सेवादारों ने सिविल अस्पताल अबोहर के ब्लड बैंक में 11 यूनिट रक्तदान किया

रक्तदान तो महादान है ही, साथ में जीवनदान भी है-मानव सेवा समिति

रिपोर्टर/ सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। जहां लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं और छोटी-छोटी बातों पर इंसान, इंसान का गला काटने के लिए भारु हो जाते हैं, वहीं दूसरी ओर समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा ऐसे इंसानों का भी है जो किसी गैर की खातिर अपना खूनदान करके उन्हें नया जीवन देने में लगा हुआ है। जिसकी मिसाल अक्सर ही समाजसेवी संस्था मानव सेवा समिति के रक्तदानी सेवादारों में देखने को मिलती रहती है।संस्था के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अबोहर में सिर्फ एक ही ब्लड बैंक है जो सिविल हस्पताल में है, अबोहर शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोग अपना इलाज अबोहर के विभिन्न हस्पतालों में करवाते हैं, जिन मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ती है वह ब्लड बैंक सिविल हस्पताल अबोहर से ही ब्लड हासिल करते हैं। अबोहर में सिर्फ एक ही ब्लड बैंक होने के कारण अक्सर ही ब्लड बैंक में रक्त की कमी महसूस की जाती है जिससे मरीजों और उनके रिश्तेदारों को रक्त लेने के मुश्किल का सामना करना पड़ता है, इस कमी को पूरा करने के लिए मानव सेवा समिति के रक्तदानी सेवादारों द्वारा तकरीबन हर रोज ही रक्तदान करके लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका अदा की जा रही है। यही कारण है कि संस्था द्वारा आज तक कभी भी रक्तदान कैंप नहीं लगाया गया और सिर्फ मरीज के लिए ही सीधे तौर पर रक्तदान किया जाता है। जब भी किसी मरीज को रक्त की जरूरत पड़ती है तो उस मरीज के रिश्तेदार संस्था के फोन नंबर 7658001527 या 9501101527 पर रक्त लेने के लिए फोन करते हैं, संस्था के कार्यालय में तैनात स्टाफ द्वारा मरीज का बायोडाटा हासिल करने के तुरंत बाद रक्तदानी सेवादारों को रक्तदान करने के लिए फोन कर ब्लड बैंक में भेजा जाता है या फिर ब्लड बैंक में तैनात कर्मचारियों द्वारा संस्था के कार्यालय में फोन करने पर रक्तदानी सेवादारों को रक्तदान करने के लिए ब्लड बैंक में भेजा जाता है। संस्था द्वारा और संस्था के रक्तदानी सेवादारों द्वारा ये सेवा मानवता की भलाई के लिए बिल्कुल निशुल्क की जाती है। इसी सेवा के अंतर्गत ब्लड बैंक में रक्त की कमी के चलते आज संस्था के रक्तदानी सेवादारों राम कुमार, राय साहब, वरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरजोत सिंह, मांगी लाल, अमर सिंह, अजय नागपाल, जगदीप सिंह बराड, बलजिंदर कुमार और दविंदर सिंह द्वारा 6 युनिट ओ पोजिटिव, 3 युनिट ऐ पोजिटिव, 1 युनिट ऐ। बी। पोजिटिव, 1 युनिट ओ नैगेटिव, टोटल 11 युनिट रक्तदान करके मानवता की भलाई का फर्ज निभाया गया।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तनाव में हैं लोग

लिंक्डइन के सर्वे में हुआ खुलासा...

पेशेवरों को आपस में जुड़ने के लिए 'ऑनलाइन' मंच प्रदान करने वाली लिंक्डइन ने भारत में काम के तनाव को दूर करने के लिए कार्यबल भरोसा सूचकांक का विशेष 'मानसिक स्वास्थ्य' संस्करण जारी किया है।

भारत में कार्यरत पेशेवरों का एक बड़ा हिस्सा काम को लेकर तनाव महसूस कर रहा है। एक सर्वेक्षण में कार्य-जीवन असंतुलन, अपर्याप्त आय और धीमी करियर प्रगति को देश में काम के तनाव के शीर्ष तीन कारण बताए गए हैं।

पेशेवरों को आपस में जुड़ने के लिए 'ऑनलाइन' मंच प्रदान करने वाली लिंक्डइन ने भारत में काम के तनाव को दूर करने के लिए कार्यबल भरोसा सूचकांक का एक विशेष 'मानसिक स्वास्थ्य' संस्करण जारी किया है। पेशेवर कैसे अपने मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए कार्य में अधिक लचीलेपन की उम्मीद करते हैं, इसका भी उल्लेख किया गया है।

यह सर्वेक्षण 31 जुलाई से 24 सितंबर तक 3,881 पेशेवरों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित है। इससे प्राप्त निष्कर्ष बताते हैं कि भारत के आधे से अधिक (55 प्रतिशत) कार्यरत पेशेवर काम के दौरान तनाव महसूस कर रहे हैं।

कार्यबल भरोसा सूचकांक के नवीनतम संस्करण से पता चला है कि काम की दुनिया में भारी बदलाव के बावजूद, 31 जुलाई से 24 सितंबर, 2021 तक भारत का समग्र कार्यबल विश्वास 55 के समग्र अंक के साथ स्थिर रहा।

काम के तनाव के अपने प्राथमिक कारणों को साझा करने के लिए कहे जाने पर, कार्यरत पेशेवरों ने व्यक्तिगत जरूरतों के साथ काम को संतुलित करना(34 प्रतिशत), पर्याप्त पैसा नहीं कमाना (32 प्रतिशत) और धीमी गति से कैरियर की उन्नति (25 प्रतिशत) का उल्लेख किया।

लिंक्डइन के भारत में क्षेत्रीय प्रबंधक आशुतोष गुप्ता ने कहा, बदलाव के इन तनावपूर्ण समय ने पेशेवरों के बीच अधिक लचीलेपन और कार्य-जीवन संतुलन की आवश्यकता है। लेकिन, हमारे सर्वेक्षण से पता चलता है कि कर्मचारियों को क्या चाहिए और नियोक्ता तनाव से निबटने के लिए क्या पेशकश कर रहे हैं, इसमें भारी अंतर है।

फेशियल के बाद भी नहीं आती चमक

स्किन टाइप के हिसाब से लें स्टीम

दमकती और ग्लोइंग स्किन हर कोई चाहता है, जिसके लिए महिलाएं क्लिनअप, फेशियल और होममेड चीजों का सहारा लेती है। लेकिन कई बार आपने देखा होगा की एक जैसा प्रोडक्ट इस्तेमाल कर किसी के चेहरे पर ग्लो ज्यादा होता है और किसी पर बिल्कुल नहीं। इसके लिए ये समझना जरूरी है कि हर किसी की स्किन टाइप अलग होता है जैसे किसी को ऑयली स्किन से परेशानी होती है तो किसी को रुखी त्वचा से परेशानी होती है। ऐसे में आपको एक जैसे स्किन केयर की जरुरत नहीं है।

ड्राई स्किन

ड्राई स्किन की वजह से त्वचा में खिंचा-खिचा महसूस होता है। स्किन पर अलग तरह की दरारे आने लगती हैं, जिसकी वजह से आपकी सुंदरता खराब हो जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो आपकी ड्राई स्किन है। ऐसे में आप जब भी फेशियल लेती होंगी तो कुछ दिन बाद आपकी त्वचा रूखी और बेजान दिखने लगती है। इसके लिए आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से ही फेशियल करवाएं साथ ही आपको 5 मिनट से ज्यादा स्टिम नहीं लेनी चाहिए। वहीं आपको सिर्फ हफ्ते में एक बार स्टिम लेनी चाहिए। आप पानी में गुलाब के पत्तों के साथ रोजमेरी और सौंफ डालकर स्टीम लेनी चाहिए। आप चाहें तो इसमें थोड़ी पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं।

ऑयली स्किन

जब आपकी त्वचा के ग्लेंड्स ओवरएक्टिव हैं तो आपकी स्किन ऑयली होती है। ये समस्या ज्यादातर कम उम्र की लड़कियों को होती है जिस वजह से चेहरे पर मुंहासे भी होते हैं। ऐसे में आपको बबूने के फूल, लेमन ग्रास, लैवेंडर और रोजमेरी को पानी में डालकर आप उस पानी से स्टीम लें। ये सबसे अच्छी है। इससे स्किन भी सॉफ्ट और क्लीन हो जाएगी।

मैच्योर स्किन

फाइन लाइंस के बढ़ने पर अगर आप सही स्टीम लेती हैं तो आपकी त्वचा पर ज्यादा चमक आएगी। स्टीम से पहले आप विटामिन ई और ए के कैप्सुल अपनी आंखों के चारों ओर लगाएं फिर स्टीम लें। स्टीम लेने से विटामिन ई और ए आपकी स्किन में अच्छे से चली जाएगी। आप मुलेठी की जड़, बबूने के फूल और नारंगी के फूलों को पानी में मिलाकर स्टीम ले सकते हैं।

स्किन पर ग्लो लाने के लिए आपको ये पहचानने की जरूरत है कि आपका स्किन टाइप कैसी है। फेशियल के बाद मिलने वाली स्टिम के लिए भी ये पता होना जरूरी है कि आपको कैसी स्टीम लेनी चाहिए। आइए, जाने स्किन के हिसाब से कैसी फेशियल स्टीम लेनी चाहिए।

वेट लॉस के लिए बेस्ट है फूलगोभी का सूप

वेट लॉस के लिए आप कितनी ही चीजें ट्राई करते हैं लेकिन ज्यादातर चीजें वजन घटाने में कारगर नहीं होती है। वहीं, वेट लॉस करने में फूलगोभी का सूप भी कारगर माना जाता है। फूलगोभी पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। फूलगोभी में विटामिन उ, विटामिन ड, पोटेशियम और मैंगनीज जैसे कई तत्व पाए जाते हैं। इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ वेट लॉस में शरीर को हर तरह से स्वस्थ रखने के लिए गोभी फायदेमंद है।

कब पिएं गोभी का सूप

वेट लॉस के लिए गोभी का सूप पीने का सबसे बेस्ट तरीका है कि गोभी का सूप सुबह खाली पेट पीना चाहिए। गोभी का सूप हेल्दी ब्रेकफास्ट है। वहीं, रात में भी गोभी का सूप पी सकते हैं। गोभी के सूप में मसालों का कम इस्तेमाल करना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MAHA RERA NO.: P99000025618

Mariyam Heritage
Heritage Builders & Developers

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT
WITH LIFESTYLE AMENITIES

Mariyam Heritage

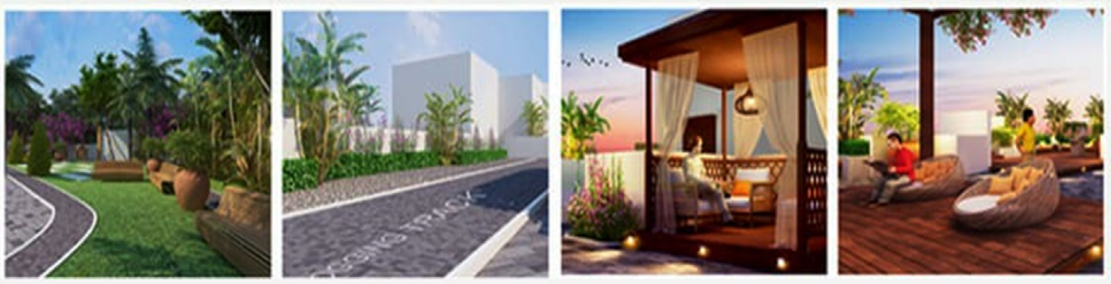

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals :
Valwadevi Multispeciality - 800m
Metropolis Healthcare - 900m

Banks :
Abhyudaya Co-op Bank - 500m
Federal Bank - 600m

Schools :
Ludhani Vidyamandir - 700m
Fr. Angel School - 800m

Rastuarants :
Hotel Shalimar - 300m
Hotel Regency - 900m

Entertainments :
Carnival Cinema - 4.2km
Dream The Mall - 4.2km

Accessibility :
Vasai E Railway Station - 8 km
Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM
31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE
DOWNPAYMENT 5%
NO EMI TILL POSSESSION*
APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E)
FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848
SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)